Khap.qxd 22/05/13 7:54 PM Page 2

इज्जतनगरी के घरों में पलते अवैध रिश्ते

बेटियों से बलात्कार के मामले हो रहे उजागर

रेखांकन: आशा पाण्डेय

बहू-बेटियों को बलात्कारी की नजरों से बचाने के लिए सरकार कानून को सख्त जामा पहना सकती है और परिवार अतिरिक्त एहतियात बरत सकता है लेकिन जब घरों के अंदर परिवार के ही सदस्य बहू-बेटियों से बलात्कार करें तो औरतों के लिए सुरक्षित स्थान तलाशा कहां जाए। दलील देने वाले कह रहे हैं ऐसा हर समाज में होता है। होता होगा, लेकिन बात-बात पर इज्जत का ढोल पीटने वाले खापलैंड यानि हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अगर ऐसा हो रहा है तो यह बड़ी विडंबना है।

रोहतक की एक छात्रा रमन कहती है, 'लड़कों से बात करने पर यहां परिवार की इज्जत चली जाती है। कई बार लड़की को मार दिया जाता है। लेकिन घरों में उनके साथ गलत काम होने पर कोई कुछ नहीं बोलता। बहादुरगढ़ के एक गांव की एक जाट लड़की मेरी दोस्त थी। उसकी मां की मौत हो चुकी है। गांव का एक लड़का उससे प्यार करता था लेकिन लड़की उससे बात नहीं करती थी। गांव के कुछ लड़के उस लड़की को तंग करते थे। एक दिन वे उसके पीछे लग गए, लड़की सड़क की ओर भागी, जहां उसी लड़के का टेंपू खड़ा था जो उससे प्यार करता था। वह उसके टेंपू पर सवार होकर भाग गई। लफंगे भी टेंपू के पीछे भागे। गिरफ्त में आने पर लफंगों ने लड़के को पीट-पीट कर अधमरा कर दिया और परिवार ने गांव के सामने लड़की का तलवार से गला काट दिया।' यह डेढ़ साल पहले की घटना है। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की जगमति सांगवान कहती हैं कि किसी लड़के से बात करने पर या समगांव, समगोत्र में शादी करने से कुछ लोगों की इज्जत खाक हो जाती है लेकिन जब घरों के अंदर बेटियों से बलात्कार होता है, तब खापवाले कहां होते हैं।

बेटियों से बलात्कार के खुलासे लगातार बढ़ रहे हैं। हालांकि इसका कोई आंकड़ा इसलिए नहीं है कि परिवार के खिलाफ कोई औरत पुलिस स्टेशन या अदालत नहीं जाती है। कुछ तो इतनी छोटी होती हैं कि उन्हें पता नहीं होता कि उनके साथ क्या हो रहा है। दिल्ली की नजफगढ़वासी शकुंतला (बदला हुआ नाम) बताती है, 'मैं उस समय इतनी छोटी थी कि मुझे पता नहीं कि मेरे पापा मेरे साथ क्या कर रहे हैं। वह मेरी फ्रॉक के नीचे से मेरे गुप्तांग पर हाथ फेरा करते थे।' उसका कहना है कि बच्चियों को आसानी से डरा-धमका दिया जाता है।

रोहतक की एक सामाजिक संस्था में काम करने वाली यशवंती बताती हैं कि कि सौतेली बेटियां या जिनकी मां की मौत हो चुकी हैं ज्यादातर वे ऐसी वारदात का शिकार होती हैं। दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में 14 वर्षीय सौतेली बेटी से बलात्कार, उत्तर प्रदेश के शाह जहांपुर के कटरा इलाके में बेटी से बलात्कार, हरियाणा के नीलोखेड़ी गांव में 14 वर्षीय नाबालिग बेटी से बलात्कार, जनवरी, 2011 में मेरठ में सात वर्षीया बेटी से बलात्कार फिर उसकी हत्या, सोनीपत के राई में छह वर्षीय बेटी का बलात्कार, सोनीपत के बड़वासनी गांव में बेटी से बलात्कार, नोएडा में एक लड़की का अपने पिता की औलाद को जन्म देना जैसे वे मामले हैं जो मीडिया में आए। इससे कई गुना ज्यादा मामले तो घरेलू इज्जत के नाम पर चारदीवारी के अंदर ही रह जाते हैं। इस बारे में हरियाणा खापों के प्रवक्ता ओम प्रकाश मान कहते हैं 'समगांव-समगोत्र में तो शादी नहीं होगी। बाकी आप जिन अवैध संबंधों की बात कर रही हैं,वे सिर्फ हरियाणा में ही नहीं है। दक्षिण भारत में तो मामा-भांजी की शादी तक हो जाती है। ●

मनीषा भल्ला

भाईचारे की डींग हांकती खाप पंचायतें

भाईचारे की डींग हांकने वाली खाप बेल्ट में घरों के अंदर बहू-बेटियों के साथ अवैध संबंध आम बात है। खासकर दादा के परिवार में। देवर-भाभी, जेठ-भाभी, ससुर-बहू इन रिश्तों को मूक मान्यता है। लेकिन चचेरे, फुफेरे, मौसेरे, और ममेरे भाइयों और पिता के साथ संबंध की खबरें भी आ रही हैं। इसकी बड़ी वजह खापलैंड में लड़कियों की कम हो रही संख्या है। दूसरी वजह यहां शादी को लेकर नियम-कानूनों का कड़ा होना है। तीसरा कारण इस इलाके से काफी तादाद में पुरुषों का सेना में भर्ती होना है, जिस वजह से बहूओं के ससुर, जेठ या देवर से संबंध हो जाते हैं। उक्त वजहें जैविक जरूरतें पैदा करती हैं, जो ऐसे रिश्तों को जन्म दे रही हैं। मैं खाप नेताओं से पूछना चाहता हूं कि वैसे तो समगोत्र-समगांव में शादी होने पर खून-खराबा हो जाता है,दूसरी ओर ऐसे रिश्तों पर खाप पंचायतें कोई फैसला क्यों नहीं सुनातीं। हाल ही में रोहतक में इटली से आई शादीशुदा बहन का उसके सगे भाई ने बलात्कार कर उसे मेडिकल चौक पर फेंक दिया। यहां के सुनारिया चौक पर एक पिता ने सौतेली बेटी से बलात्कार किया। गांवों में बुजुर्गों से निकटता होने पर कई लोग कबूलते हैं कि उनके अपनी बहुओं के साथ संबंध रहे हैं।

डॉ. डीआर चौधरी, समाज विज्ञानी